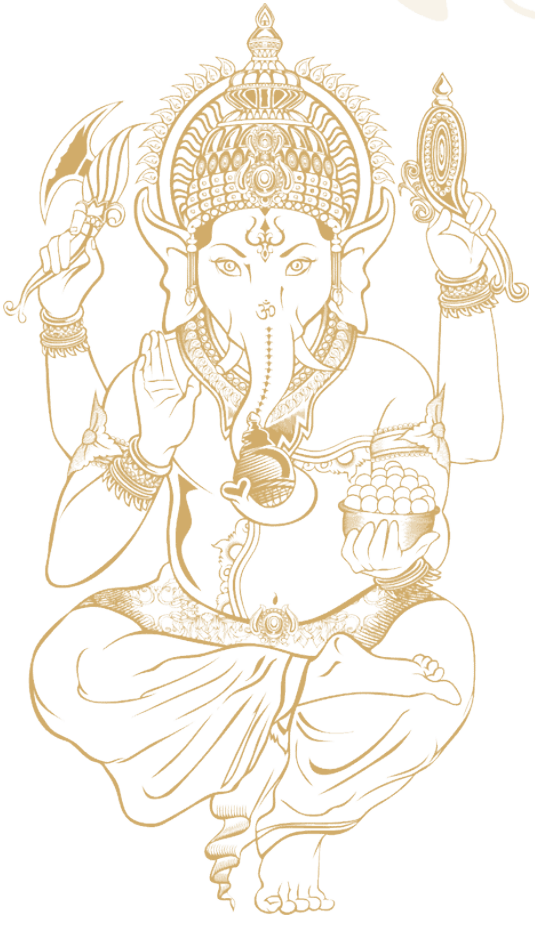

Bajrag sharma

03 Dec 1999

04:00 AM

Churu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121012002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/12/1999**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	52:17:08 घटी
स्थान	**Churu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:18:00 उत्तर
रेखांश	75:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:30:00 घंटे
वेलान्तर	00:10:48 घंटे
साम्पातिक काल	08:15:17 घंटे
सूर्योदय	07:05:08 घंटे
सूर्यास्त	17:33:19 घंटे
दिनमान	10:28:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:26:29 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:49:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:49:54	312:59:50	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	16:26:29	01:00:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	21:16:31	12:22:50	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मक	11:14:40	00:46:07	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध			तुला	26:11:56	00:59:56	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	01:41:59	00:03:38	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	02:39:44	01:09:18	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:51:18	00:03:56	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	11:38:36	00:06:54	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	11:38:36	00:06:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:42:10	00:01:59	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:24:49	00:01:34	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:29:17	00:02:20	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	07:43:27	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:06

लग्न-चलित

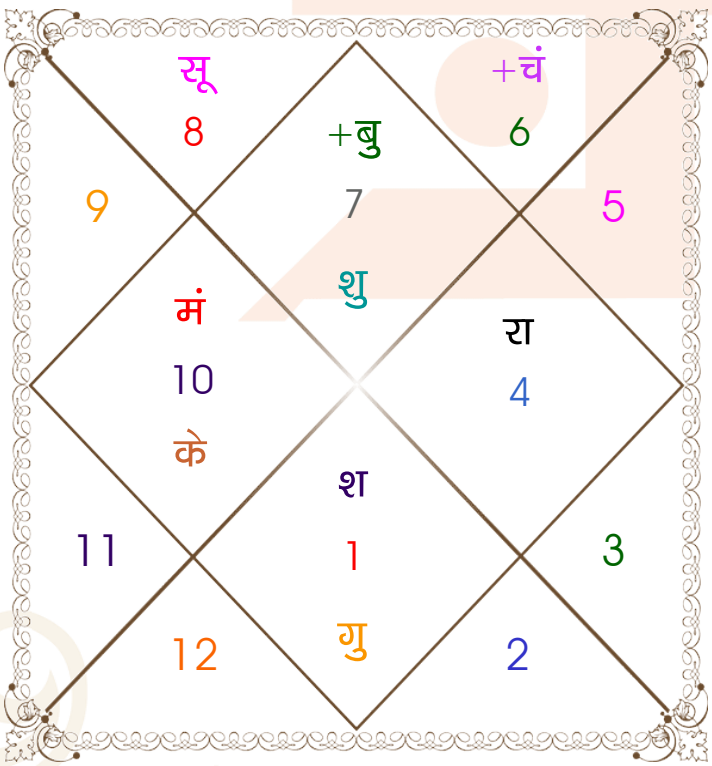

चन्द्र कुंडली

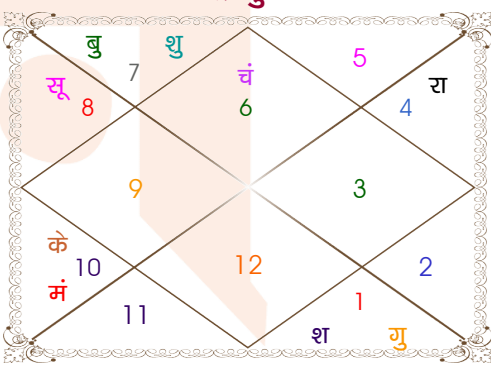

नवमांश कुंडली

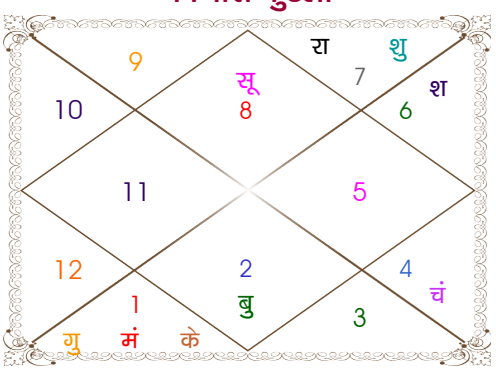

सिद्धपीठ बालाजी धाम जोड़किया
जोड़किया (हनुमानगढ़)
7062685690
pawan.sharma.85690@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 6 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/12/1999		18/06/2001		18/06/2008		19/06/2026		19/06/2042	
18/06/2001		18/06/2008		19/06/2026		19/06/2042		18/06/2061	
	00/00/0000	मंगल	15/11/2001	राहु	01/03/2011	गुरु	06/08/2028	शनि	22/06/2045
	00/00/0000	राहु	03/12/2002	गुरु	25/07/2013	शनि	17/02/2031	बुध	01/03/2048
	00/00/0000	गुरु	09/11/2003	शनि	31/05/2016	बुध	25/05/2033	केतु	09/04/2049
	00/00/0000	शनि	18/12/2004	बुध	18/12/2018	केतु	01/05/2034	शुक्र	09/06/2052
	00/00/0000	बुध	15/12/2005	केतु	06/01/2020	शुक्र	30/12/2036	सूर्य	22/05/2053
	00/00/0000	केतु	13/05/2006	शुक्र	06/01/2023	सूर्य	18/10/2037	चंद्र	21/12/2054
	03/12/1999	शुक्र	13/07/2007	सूर्य	30/11/2023	चंद्र	17/02/2039	मंगल	30/01/2056
शुक्र	18/12/2000	सूर्य	18/11/2007	चंद्र	31/05/2025	मंगल	24/01/2040	राहु	06/12/2058
सूर्य	18/06/2001	चंद्र	18/06/2008	मंगल	19/06/2026	राहु	19/06/2042	गुरु	18/06/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/06/2061		19/06/2078		18/06/2085		19/06/2105		20/06/2111	
19/06/2078		18/06/2085		19/06/2105		20/06/2111		00/00/0000	
बुध	15/11/2063	केतु	15/11/2078	शुक्र	18/10/2088	सूर्य	07/10/2105	चंद्र	19/04/2112
केतु	11/11/2064	शुक्र	15/01/2080	सूर्य	18/10/2089	चंद्र	08/04/2106	मंगल	18/11/2112
शुक्र	12/09/2067	सूर्य	22/05/2080	चंद्र	19/06/2091	मंगल	14/08/2106	राहु	20/05/2114
सूर्य	19/07/2068	चंद्र	21/12/2080	मंगल	18/08/2092	राहु	08/07/2107	गुरु	19/09/2115
चंद्र	18/12/2069	मंगल	19/05/2081	राहु	19/08/2095	गुरु	25/04/2108	शनि	20/04/2117
मंगल	15/12/2070	राहु	07/06/2082	गुरु	19/04/2098	शनि	07/04/2109	बुध	19/09/2118
राहु	04/07/2073	गुरु	13/05/2083	शनि	19/06/2101	बुध	12/02/2110	केतु	20/04/2119
गुरु	10/10/2075	शनि	21/06/2084	बुध	19/04/2104	केतु	20/06/2110	शुक्र	04/12/2119
शनि	19/06/2078	बुध	18/06/2085	केतु	19/06/2105	शुक्र	20/06/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।